महाकुंभ की ओर बढ़ता उज्जैन, 10 हजार नए टेंडर जारी

- मुख्यमंत्री के गृह नगर की बदलेगी तस्वीर
- नए साल 2026 में विकास कार्यों की झड़ी
- शहर के सभी 54 वार्डों में होंगे काम

नव भारत न्यूज़

उज्जैन. मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के गृह नगर उज्जैन में नववर्ष 2026 की शुरुआत विकास की नई इबारत के साथ हुई है. सिंहस्थ 2028 को केंद्र में रखते हुए उज्जैन में करीब 10 हजार से अधिक विकास और निर्माण कार्यों के टेंडर विभिन्न शासकीय एजेंसियों द्वारा जारी किए गए हैं.

ये 10 हजार टेंडर आने वाले वर्षों में शहर की तस्वीर और तकदीर दोनों बदलने वाले हैं. ये टेंडर न सिर्फ बुनियादी स्थानीय सुविधाओं को मजबूत करेंगे, बल्कि सिंहस्थ महाकुंभ के दौरान अनुमानित 30 करोड़ श्रद्धालुओं और साधु-संतों के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं की नींव भी तैयार करेंगे. महाकालेश्वर मंदिर, विकास प्राधिकरण, पीडब्ल्यूडी, जल संसाधन, नगर निगम, सेतु विकास निगम, मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग ,वन विभाग, हाउसिंग बोर्ड, प्रदूषण विभाग महिला एवं बाल विकास विभाग, कृषि विभाग मध्य प्रदेश विद्युत मंडल से लेकर आने को सरकारी विभागों के टेंडर जारी हुए हैं.

सभी 54 वार्डों में करोड़ो के काम

उज्जैन नगर निगम सहित विभिन्न शासकीय विभागों, स्थानीय निकायों और निर्माण एजेंसियों द्वारा शहर के 54 वार्डों में व्यापक स्तर पर विकास कार्य प्रस्तावित किए गए हैं. इनमें सड़कों का निर्माण और चौड़ीकरण, पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए ट्यूबवेल और पाइपलाइन बिछाने के कार्य, जल निकासी के लिए नालों का निर्माण, शासकीय भवनों और क्वार्टरों की मरम्मत, सार्वजनिक सुविधाओं का विस्तार, मंदिरों का जीर्णोद्धार और जनहित से जुड़े अनेक कार्य शामिल हैं. इन टेंडरों के माध्यम से देश की नामी-गिरामी और अनुभवी निर्माण कंपनियों को उज्जैन में गुणवत्तापूर्ण, टिकाऊ और दीर्घकालिक कार्यों के लिए आमंत्रित किया गया है.

स्थानीय और बाहरी जनता को लाभ

कुल मिलाकर, वर्ष 2026 उज्जैन के लिए निर्णायक साबित होने जा रहा है. हजारों टेंडरों के माध्यम से होने वाले बड़े निर्माण कार्य न केवल सिंहस्थ 2028 को सुव्यवस्थित और भव्य बनाएंगे, बल्कि लंबे समय तक शहर की स्थानीय जनता को भी इसका लाभ मिलेगा. बेहतर सड़कें, मजबूत पेयजल व्यवस्था, सुधरी हुई नागरिक सुविधाएं और धार्मिक स्थलों का संरक्षण उज्जैन को एक आधुनिक, सुव्यवस्थित और आध्यात्मिक राजधानी के रूप में स्थापित करेगा. इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी और पलायन पर भी प्रभावी रोक लगेगी.

सुबह 6 बजे निकले अफसर रात को 2 बजे पहुंचते

सिंहस्थ 2028 की तैयारी को लेकर पूरा प्रशासनिक अमला पूरी तरह सक्रिय है. सिंहस्थ मेला अधिकारी आशीष सिंह, उज्जैन कलेक्टर रोशन कुमार सिंह, आईजी उमेश जोगा और एसपी प्रदीप शर्मा सहित तमाम अधिकारी अलग-अलग प्रकल्पों की सतत समीक्षा कर रहे हैं. रूटिंन प्लान, यातायात व्यवस्था, कानून-व्यवस्था, जनसुनवाई, निरीक्षण दौरे और नियमित बैठकों के अलावा प्रशासन सुबह 5 बजे से लेकर देर रात 2 बजे तक एक्टिव मोड में रहकर सिंहस्थ की तैयारियों को गति दे रहा है.

संतों के आश्रमों में होंगे काम

अखाड़ों में होने वाले स्थायी और अस्थायी निर्माण कार्यों के लिए संत समाज द्वारा मांग पत्र भी भेजे जा चुके हैं. मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा अखाड़ों और संतों को आवश्यक राशि उपलब्ध कराए जाने की योजना है, ताकि सिंहस्थ के दौरान साधु-संतों को किसी प्रकार की असुविधा न हो.

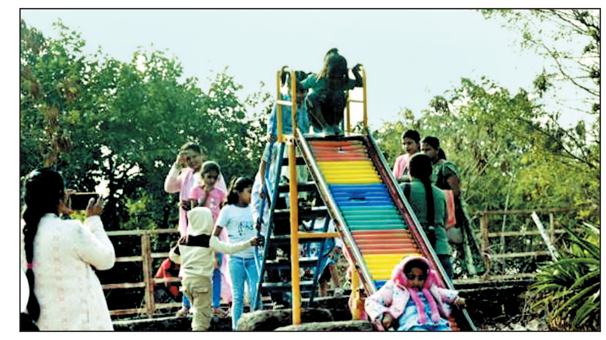

बर्फीली हवाओं और वेस्टर्न डिस्टर्बेंस से बढ़ी ठंड

भोपाल, 2 जनवरी. उत्तर भारत से आ रही बर्फीली हवाओं और सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) के असर से मध्य प्रदेश के मौसम ने एक बार फिर यू-टर्न ले लिया है।

प्रदेश के कई हिस्सों में कड़ाके की ठंड के साथ मावठ का असर दिखने लगा है। मौसम विभाग ने एमपी के पांच जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है, जबकि कई इलाकों में मध्यम से अति घने कोहरे की चेतावनी दी गई है। ठंड बढ़ने से जनजीवन प्रभावित होने लगा है। गुरुवार को ग्वालियर, भिंड, मुरैना और दतिया में दिन के तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई। सबसे कम अधिकतम तापमान दतिया में 16.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि ग्वालियर में 16.5, मुरैना में 18.9 और शहडोल में 19.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान की बात करें तो पंचमढ़ी सबसे ठंडा रहा, जहां पारा 5 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया। खजुराहो और शिवपुरी में न्यूनतम तापमान 7 डिग्री, जबकि रीवा और राजगढ़ में 7.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के सभी संभागों में मौसम मुख्यत: शुष्क रहा, हालांकि दतिया जिले में शीतल दिन की स्थिति बनी रही।

प्रदेश के कई जिलों में मध्यम, घना और अति घना कोहरा छाने की संभावना है। ग्वालियर, दतिया, भिंड, रीवा, सतना, पन्ना और बुंदेलखंड के अन्य जिलों में अति घने कोहरे का अलर्ट जारी किया गया है।

चंबल संभाग के जिलों में अधिकतम तापमान सामान्य से 4.2 डिग्री सेल्सियस तक नीचे चला गया। ग्वालियर और सागर संभाग में भी तापमान 2.2 से 2.5 डिग्री तक गिरा। वहीं भोपाल, जबलपुर और शहडोल संभागों में अधिकतम तापमान सामान्य से थोड़ा अधिक दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान में उज्जैन और जबलपुर संभाग में 2.2 से 2.6 डिग्री तक बढ़ोतरी देखी गई, जबकि शहडोल संभाग में यह बढ़ोतरी 4.4 डिग्री तक रही। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर-पश्चिमी उत्तर प्रदेश के ऊपर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय है और ऊपरी वायुमंडल में तेज उपोष्ण पश्चिमी जेट स्ट्रीम हवाएं बह रही हैं, जिससे मौसम में यह बदलाव आया है।

एक नजर में

ई-कैबिनेट एप्लीकेशन का प्रशिक्षण

भोपाल. मुख्य सचिव अनुराग जैन के निर्देश पर मंत्रालय में मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री और मंत्रियों के विशेष सहायकों, विशेष कर्त्तव्य अधिकारियों और निज सचिवों को ई-केबिनेट एप्लीकेशन का प्रशिक्षण दिया गया. इसका उद्देश्य शीघ्र ही केबिनेट बैठकें डिजिटल माध्यम से आयोजित करना है. प्रशिक्षण मुख्य सचिव कार्यालय के उपसचिव डीके नागेंद्र, एनआईसी के डायरेक्टर अमित जैन और रजिस्टार वल्लभ भवन मनोज श्रीवास्तव ने दिया. इसमें प्रतिभागियों को एजेंडा की आवश्यकता, डिजिटल दस्तावेज़ों का सुरक्षित और स्मार्ट प्रबंधन, और बैठक की तैयारी एवं समीक्षा में आसान प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी गई.

78 .61 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण

- देश के विकास की गति और तेज होगी : मुख्यमंत्री
- समग्र विकास के संकल्प के साथ कार्य कर रही सरकार

भोपाल,2 जनवरी. मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश सरकार 'समग्र विकास' के संकल्प के साथ लगातार कार्य कर रही है और अब मध्यप्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों की ओर तेजी से अग्रसर है.

विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, यही सरकार का लक्ष्य है. नागरिकों की समृद्धि और खुशहाली ही सरकार का वास्तविक पारितोषिक है. मुख्यमंत्री शुक्रवार को उज्जैन जिले के खाचरौद में 78.61 करोड़ रुपये के विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. मुख्यमंत्री ने खाचरौद को 39 विकास कार्यों की सौगात दी, जिनमें 48.51 करोड़ रुपये के 16 कार्यों का लोकार्पण तथा 30.10 करोड़ रुपये के 23 कार्यों का भूमिपूजन शामिल है.

मुख्यमंत्री ने 35.40 करोड़ रुपये की लागत से बने सांदीपनि विद्यालय भवन और 11.30 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित नवीन कृषि उपज मंडी प्रांगण का लोकार्पण किया. उन्होंने कहा कि सांदीपनि विद्यालय शिक्षा के पवित्र मंदिर हैं, जो बच्चों के बेहतर और सुनहरे भविष्य की नई इबारत लिखेंगे. कृषि मंडी प्रांगण में किसानों की सुविधा के लिए विश्राम भवन, भोजनालय और पेयजल की व्यवस्था की गई है.

लापरवाही पर सख्त कार्रवाई, दो पटवारी निलंबित

मुरैना. जिले में राजस्व कार्यों में लापरवाही बरतने पर कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ ने सबलगढ़ अनुभाग के दो पटवारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है. यह कार्रवाई राजस्व कार्यों में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है. कलेक्टर द्वारा जिले के सभी एसडीएम को अपने-अपने अनुभाग में पटवारीवार राजस्व कार्यों की समीक्षा करने के निर्देश दिए गए थे. इसी क्रम में सबलगढ़ अनुभाग में की गई समीक्षा के दौरान दो पटवारियों की गंभीर लापरवाही सामने आई.

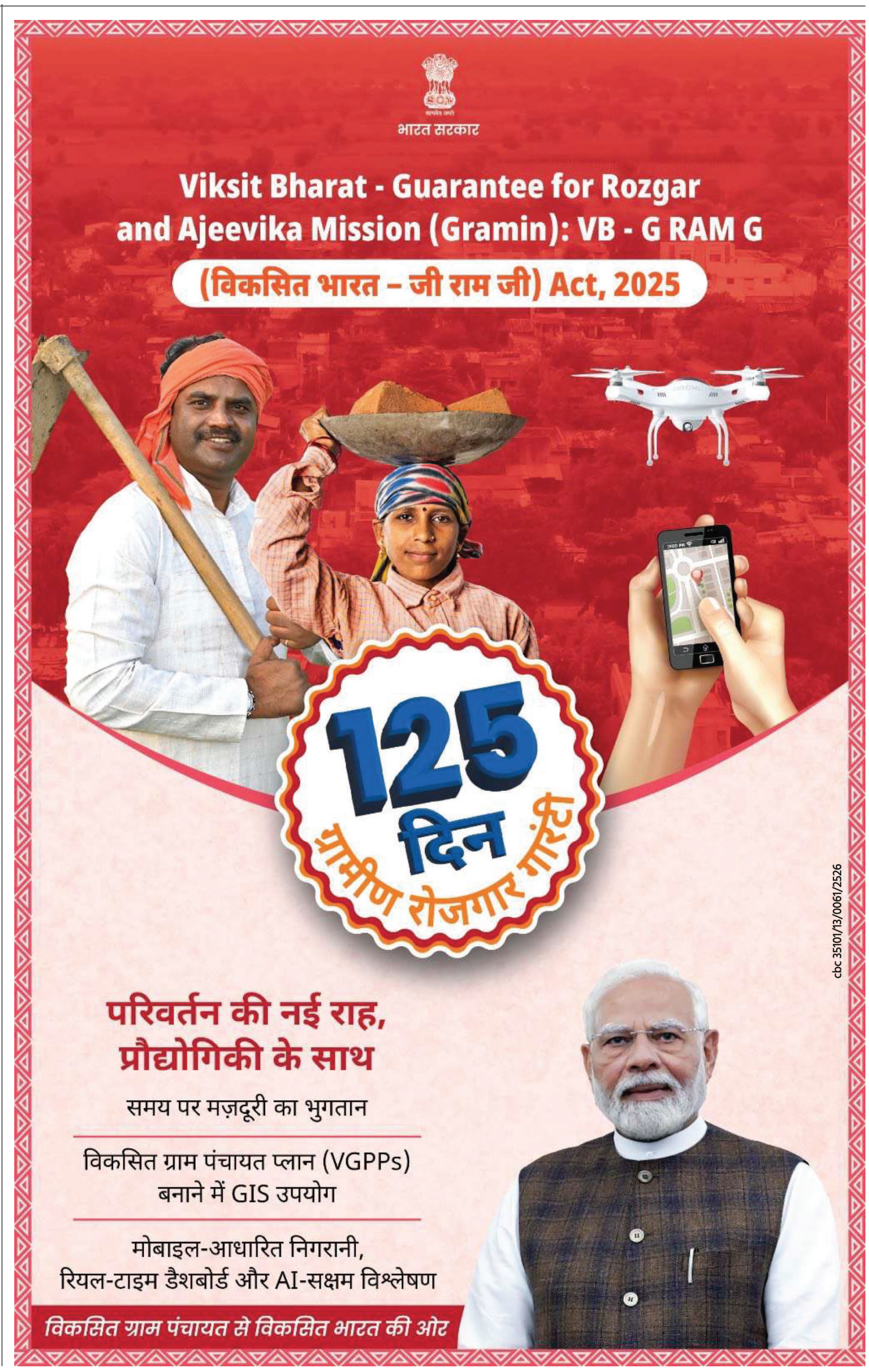

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60